दातापन और रहमदिल से प्रकृतिजीत स्थिति

दाता पन और रहम से प्रकृति जीत भवः। रहम तो मनुष्य की एक नैचुरल प्रवृत्ति है। बस इतना है कि कोई केवल अपनों पर रहम करता है और कोई सब पर। हम सभी बाबा के बच्चे, देखो, जिसका जो बच्चा होता है कलयुग के अन्त तक भी माँ-बाप के कुछ न कुछ गुण बच्चों में अवश्य आते हैं। सारे नहीं, बाकी तो पूर्वजन्मों से अपने ही लेकर आते हैं। हम भगवान के बच्चे हैं, यह चिंतन करेंगे सभी। हैं या नहीं पूछने की तो बात नहीं है। यह तो सब जो ज्ञान में नहीं हैं वो भी उत्तर देते हैं हम भगवान के बच्चे हैं। तो उसके गुण हमारे में कई सारे हैं। सब आज देख लें कौन-कौन से हैं। हम ज़्यादा गुणों की चर्चा नहीं करेंगे उसके क्योंकि सभी जानते तो हैं कि उसके गुण कितने हैं! वो सुख दाता है, मैं क्या हूँ? होना चाहिए ये या नहीं! चेक करेंगे मैं क्या हूँ। एक समझदार और बुद्धिमान ज्ञानी वही है जो अपनी कमियों को भी जानते हों और महानताओं को भी। अगर केवल कमी जानेंगे तो निराश रहेंगे, महानतायें भी यानी स्वमान भी।

हम एक जगह गये थे जोधपुर में ट्रीटमेंट के लिये जो हाथ से करते हैं, जिसे ऑस्टियोपैथी कहते हैं। जो हमारा कर रहा था वो कहने लगा कि मैं आपकी क्लास बहुत सुनता हूँ, मुझे स्वमान बहुत पसंद आये। अभी उसे ज्ञान नहीं है। मैं सोचने लगा कि इसने स्वमान की बात समझ ली! तो दुनिया वाले भी जो देवकुल की आत्मायें हैं सब, वो अब बाबा की बातों को समझने लगी हैं। तो पूछेंगे अपने से कि मैं शिवबाबा की सन्तान, वो दुःखों को हरने वाला, मैं क्या हूँ? वो शान्ति का सागर, मैं क्या हूँ? यह नहीं मैं शान्त स्वरूप हूँ, वो बात हम नहीं कर रहे हैं। मैं क्या हूँ, मैं शान्ति में हूँ या नहीं? वो प्यार का सागर, मैं प्यार देता हूँ, देती हूँ? चेक करेंगे।

पाँच चीज़ें कोई भी ले लो, पवित्रता की बात है। शक्तियों की बहुत बड़ी बात है। वो सर्वशक्तिवान, उसकी बहुत सारी शक्तियां हमारे अन्दर हैं। हम यह बात बहुत सुनाते आये हैं लोगों को लेकिन इस बात को गहराई से रियलाइज़ करने में हमें भी बहुत समय लगा था। मधुबन में आकर भी बाबा बताते थे, लेकिन आत्मा उस चीज़ को ठीक से समझ ले उसमें समय लगता है। बाबा कहते रहते थे कि मैंने सारी शक्तियां तुम्हें दे दी हैं लेकिन हमारे अन्दर यह बात उतरती नहीं थी। हम अब यह चाहते हैं कि आप सभी इसको जल्दी से जल्दी स्वीकार कर लें। बाबा ने हमें

> जब हम संकल्प करते हैं कि मैं बहुत शक्तिशाली हूँ या मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ तो हमारे चारों ओर शक्तियों का आभामंडल बन जाता है। जानते हो न आभामंडल क्या होता है? हमारे चारों ओर शक्तियों का घेरा। जो जितना शक्तिशाली बनेंगे उसका आभामंडल दूर-दूर तक बनेगा, संसार तक फैलेगा।

अपनी बहुत सारी शक्तियां दी हुई हैं। हम बहुत शक्तिशाली हैं। और जो योग करते हैं, कॉमेन्ट्री से अमृतवेले कराते भी हैं, वैसे भी एक चीज़ बहुत अभ्यास में लानी है, और वो है जब हम संकल्प करते हैं कि मैं बहुत शक्तिशाली हूँ या मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ तो हमारे चारों ओर शक्तियों का आभामंडल बन जाता है। जानते हो न आभामंडल क्या होता है? हमारे चारों ओर शक्तियों का घेरा। जो जितना शक्तिशाली बनेंगे उसका आभामंडल दूर-दूर तक बनेगा, संसार तक फैलेगा। तो यह अभ्यास भी सबको दो बार बस, ज़्यादा नहीं, रोज़ दो बार कभी भी अवश्य करना है। मैं बहुत शक्तिशाली हूँ। मेरे चारों ओर शक्तियों का आभामंडल है, प्रभामंडल, इंग्लिश में औरा कहते हैं। यह हम सबके चारों ओर है, पर है उतना बड़ा जितना हम यह अभ्यास करेंगे।

हम दाता के बच्चे दाता हैं। हमें क्या-क्या देना है संसार को? एक तो आप में से वो आत्मायें जो बहुत अच्छा स्वमान का अभ्यास करते हैं, जो बहुत पवित्र हैं, जो बहुत अच्छे योगी हैं, उन्हें अब से ही संसार को साकाश बहुत देनी है। दाता बनना है। बाबा कहा करते थे हमें याद है, शुरू में ही हमें कहा, तब तो हमें इतना ज़्यादा पता नहीं था जब किचन में आये। बाबा कहते थे, जैसे भोलेनाथ का भण्डारा अखुट गाया जाता है, तुम्हारा भी अखुट दान चलता रहे। उन दिनों ज़्यादा ये बातें प्रकाश में नहीं थीं लेकिन धीरे-धीरे समझ में आया कि हमें निरंतर संसार को देना है। हमारे गुण ऐसे हों, हमारी भावनायें ऐसी हों, हमारे वायब्रेशन्स ऐसे हों, हमारा स्वमान और योग ऐसा हो जो निरंतर हम सबको देते चलें। थोड़ी बातें उनमें से अगर हम अभ्यास करते हैं, शान्ति के सागर की शान्ति की किरणें मुझे मिल रही हैं, तो हमसे संसार को शान्ति पहुंचती रहती हैं ऑटोमेटिक। कुछ करना नहीं है, खुद-ब-खुद। अगर हम अशरीरी बनने का अभ्यास करते हैं तो।

बाबा के महावाक्य हैं याद रखना, जब तुम अशरीरी होते हो तो विश्व को शान्ति का दान मिलता है। और जब स्वदर्शन चक्रधारी होते हो तब विश्व को सुखों का दान मिलता है। सुख और शान्ति दोनों गुह्य बातें हो गईं। स्वदर्शन चक्र माना पाँच स्वरूपों का अभ्यास, यह देने का स्वरूप है। अगर हम बहुत पवित्र होते जा रहे हैं, पवित्रता में एक बात ज़रूर जोड़ लेनी है कि व्यर्थ संकल्पों से मुक्त आत्मा ही परम पवित्र है। ब्रह्मचर्य के बाद किसी भी तरह का व्यर्थ हमारे पवित्रता के तेज को धुमिल कर देता है। अगर हम ऐसे अच्छे पवित्र हैं तो हमसे ऑटोमेटिक प्रकृति को पवित्रता का दान मिलता जाता है। अगर हम इस स्वमान में हैं कि मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ तो अनेक निर्बल आत्माओं को शक्तियां मिलती रहेंगी, आपके घर में शक्तियां फैलती रहेंगी। सभी को अपने घरों को चार्ज कर देना है।

दिल्ली-डिफेन्स कॉलोनी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ के 'कल्प तरु' प्रोजेक्ट के अंतर्गत डिफेन्स कॉलोनी वेलफेयर एसोसिएशन क्लब तथा ब्रह्माकुमारीज़ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में क्षेत्र के विधायक मदनलाल जी, डीसीडब्ल्यूए के अध्यक्ष मेजर रणजीत सिंह, पूर्व सांसद डॉ. बी.एल. शैलेश, कर्नल कवलजीत सिंह आहलुवालिया, एसआईडीबीआई के डायरेक्टर नवीन मैनी, कैप्टन प्रेम रेवारी, डॉ. हरीश वाधवा, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. प्रभा दीदी, ब्र.कु. एकता बहन, ब्र.कु. अनु बहन, ब्र.कु. अनुज भाई तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

सीवान-बिहार। 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' अभियान के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज़ के 'दया एवं करुणा के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण' कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. उषा दीदी,माउण्ट आबू, एसडीओ राम बाबू बैठा, पूर्व चेयरमैन श्रीमति कृष्णा देवी, पूर्व चेयरमैन श्रीमति अनुराधा देवी, डॉ. आशुतोष कुमार सिंह, ब्र.कु. सुधा बहन, ब्र.कु. किरन बहन, ब्र.कु. रिंकी बहन तथा अन्य।

पिथोरागढ़-उत्तराखण्ड। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर एशियन एकेडमी स्कूल में ब्रह्माकुमारीज़ को आमंत्रित किये जाने पर आयोजित कार्यक्रम में एशियन एकेडमी स्कूल के डायरेक्टर महामण्डलेश्वर श्री श्री 1008 विरेन्द्रानंद जी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. कनिका बहन। साथ हैं योगा एक्सपर्ट बलराम तनरेजा,मुम्बई, ब्र.कु. अशोक गाबा तथा अन्य।

बाढ़-बिहार। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस के अवसर पर कोविड-19 के समय अपनी अथक सेवायें देने वाले डॉक्टर्स के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. बी.पी. सिंह, डॉ. नरेश प्रसाद सिंह, डॉ. अरुण शर्मा, डॉ. सियाराम, डॉ. अंजेश, एनटीपीसी डॉ. अरविंद, डॉ. सामंत, डॉ. ज्योत्सना, डॉ. अंकित तथा अन्य डॉक्टर्स सहित ब्र.कु. विपिन, ब्र.कु. ज्योति बहन व अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

चरखी दादरी-हरियाणा। राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित ईसीएचएस के डॉ. कर्नल राजबीर सिंह एवं अन्य स्टाफ को सम्मानित करने के पश्चात् उनके साथ हैं सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. प्रेमलता बहन।

सीतापुर-उ.प्र.। पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में दीवान से एस.आई. बनने वाले 750 दरोगा पदाधिकारियों को साप्ताहिक कोर्स कराते हुए ब्र.कु. योगेश्वरी बहन।

अमृतसर-पंजाब। अमृतसर एयरपोर्ट के पर्सनल असिस्टेंट हजारी कुमार से आध्यात्मिक चर्चा करने के पश्चात् ईश्वरीय उपहार भेंट कर सम्मानित करते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. आदर्श बहन। साथ हैं स्टेट बैंक की संगीता सेठ तथा प्रतीक्षा कुमारी। इस मौके पर ब्र.कु. आशुतोष भाई,मा.आबू भी उपस्थित रहे।

फरीदाबाद-संजय एन्क्लेव(हरियाणा)। बच्चों के व्यक्तित्व विकास हेतु ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित पाँच दिवसीय 'समर कैम्प' के दौरान समूह चित्र में सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. ज्योति बहन, ब्र.कु. शोभा बहन, ब्र.कु. वंदना बहन, ब्र.कु. श्वेता बहन, प्रतिभागी बच्चे तथा उनके अभिभावक गण।

गाज़ियाबाद-उ.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा गुलमोहर गार्डन टावर,राज नगर एक्सटेंशन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मोहन नगर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. लवली बहन, ब्र.कु. रूपा बहन, योगा ट्रेनर उमा बहन तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनों सहित सोसाइटी निवासी भाई-बहनें शामिल रहे।

सादड़ी-राज.। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्र पर आयोजित कार्यक्रम में पतंजलि योगाचार्य गणपत भाई तथा मदन भाई योगा कराते हुए। साथ हैं सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सुचिता बहन तथा अन्य भाई-बहनें।

सम्बलपुर-ओडिशा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में सम्बलपुर वन मण्डल अधिकारी विश्वनाथ नीलांनाम्बर को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. पार्वती दीदी। कार्यक्रम में सम्बलपुर विश्वविद्यालय के कुल-सचिव प्रो. संजीव मित्तल, प्रो. प्रकाश, ब्र.कु. दीपा बहन, ब्र.कु. आरती बहन, अनुपमा बहन सहित अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।